स्नातकोत्तर संस्कृत विभागः विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद (झारखण्ड)

Meeting of Board of Studies (Sanskrit) **Date 28-07-23**

Meeting of Board of Studies FYUGP(NEP) Under Graduate Syllabus as per guideline of B.B.M.K.U. Dhanbad

1. **Chairman**

   Dr. Gauri Kumari Munda

   Head University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   28/07/23.

2. **Internal Members**

   i. Dr. Sudhir Prasad Choubey

   University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   SPchoubey 28.07.23

   ii. Dr. Ajay Kumar

   University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   iii. Dr. Meena Kumari

   Deppt. of Sans.

   S.S.L.N.T. College, Dhanbad

   मीना कुमारी 28/07/2023

   iv. Sri Jairam Jha

   Deppt. of Sans.

   Chass College, Chas

3. **External Members**

   i. Dr. Bharti Dwivedi

   PG Department of Sans.

   Ranchi University Ranchi

   ii. Dr. Himawati Binha

   Deppt. of Sans.

   J.N. College Dhurwa, Ranchi

SEMESTER-I

1. Major Course – MJ-1

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C - 04

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

इकाई–1

- रामायण – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व उपजीव्यता, रामायणकालीन समाज एवं संस्कृति।
- महाभारत – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व उपजीव्यता, महाभारत का विकासक्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य।
- पुराण – पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण, पौराणिक सृष्टि विज्ञान
- कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय -- श्रीमद्भागवत् अग्नि, विष्णु, मार्कण्डेय एवं मत्स्य पुराण।
- महाकाव्यों का उद्भव एवं विकास एवं कुमारसम्भवम् नैषधीयचरितम्, सौन्दरानन्द, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम् एवं जानकीहरणम् का सामान्य परिचय मात्र।

इकाई–2 : संधि प्रकरण

अच्, हल् एवं विसर्ग संधि (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय शारदा निकेतन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी -- श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 गोपाल दत्त पाण्डेय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ जाएंगे	15x1 = 15
द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणी अपेक्षित है कुल छः टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।	5x4 = 20
तृतीय प्रश्न में इकाई–2 संधि प्रकरण से दो सूत्रों की सदोहारण व्याख्या अपेक्षित है कुल चार सूत्र पूछे जायेंगे।	2x10 = 20
चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर देने होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।	20x1 = 20
	= 75

<u>खण्ड–ख</u>

आन्तरिक मूल्यांकन 20+05 = 25 अंक

SEMESTER-II

Major Course – MJ – 2

संस्कृत पद्य साहित्यों का विशिष्ट अध्ययन एवं व्याकरण

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs) = 100
Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

पद्य साहित्य एवं व्याकरण

इकाई सं0–1 पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- रघुवंशम् ..... सर्ग (1 से 20 श्लोक)
- किरातार्जुनीयम् ..... सर्ग (1 से 20 श्लोक)
- पूर्व मेघदूतम् ..... (1 से 20 श्लोक)
- शिशुपालवधम् ..... सर्ग (1 से 20 श्लोक)

इकाई सं0–2 संज्ञा प्रकरण

- व्याकरण शास्त्र का उद्भव व विकास – संक्षिप्त–परिचय
- माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारों का परिचय मात्र
- पारिभाषिक शब्द –
  प्रातिपादिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, धि, उपधा, अपृक्त, गति पद, विभक्ति, रात्वर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनाम स्थान, निष्ठा, लोप।
- शब्द रूप – राम लता, नदी, गुरू, मधु, साधू सर्व, सखि
- धातु रूप – भू, अस, कृ, पठ्, पच्, सेव

अनुशंसित पुस्तकें

1. रघुवंश महाकाव्य, मोतीलाल बनारसीदास, श्रीधरानन्द मिश्र
2. रघुवंश महाकाव्य, चौखम्बा, संस्कृत संस्थान, हरगोविन्द शास्त्री
3. किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग – पं0 वी0 एस0 मुसलगांवकर आगरा बिनोद पुस्तक मंदिर
4. किरताजुनीयम् प्रथम सर्ग – अखिलेश पाठक लखनऊ, प्रकाशन केन्द्र
5. शिशुपालबधम् – बद्रीनारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
6. पूर्व मेघदूतम् – शेषराज रेग्मी चौखम्बा विद्या भवन।
7. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर "नौटियाल"।
8. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास – श्री रामाकांत मिश्र।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे — 15x1=15

दूसरे प्रश्न में इकाई–1 से एक संस्कृत अनुवाद और एक हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगी कुल चार पद्य दिये जाएंगे। — 10x2 = 20

तीसरे प्रश्न में इकाई–2 व्याकरण से दो प्रश्न अपेक्षित होगी कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे। — 10x2=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। — 1x20 = 20

Total = 75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन 20 + 5 = 25

SEMESTER-II

Major Course – MJ-03

काव्य–शास्त्र

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE:- 1 Hr) + 75 (ESE:- 3 Hrs)=100 Pass Marks: th (SIE+ESE) = 40

C-04

काव्य शास्त्र –

इकाई 1

- काव्य शास्त्र का उद्भव एवं विकास
- संस्कृत काव्यशास्त्रों के प्रमुख आचार्यों का परिचय
- भरत, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन अभिनवगुप्त, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, मम्मट, विश्वनाथ और जगन्नाथ

इकाई–2

- काव्य प्रकाश (नवम एवं दशम उल्लास)
- अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा रूपक, उत्प्रेक्षा, यमक, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना। अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, परिसंख्या संकर (काव्य प्रकाशानुसार)

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. काव्य प्रकाश – वामन झलकीकर
2. काव्य प्रकाश – डॉ0 रामसागर त्रिपाठी
3. मम्मटकृत काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी
4. संस्कृत काव्यशास्त्र के आचार्य – प्रो0 राधाबल्लभ त्रिपाठी
5. भारतीय आलोचना शास्त्र – राजवंश सहाय हीरा
6. भारतीय काव्यशास्त्र – राजवंश सहाय हीरा

प्रश्न चयन निर्देश :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्ही 1 समालोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर देय होगा, कुल 2 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
3. इकाई–2 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
4. इकाई–2 से किन्हीं दो अलंकारों की व्याख्या सोदाहरण अपेक्षित होगी, कुल 4 अलंकार प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

SEMESTER-III

Major Course – MJ-04

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय

Marks: 25(5 Attd + 20 SIE:- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C-04

आस्तिक दर्शन

वैदिक दर्शन षड्दर्शन (आस्तिक दर्शन)

- न्याय
- वैशेषिक
- सांख्य
- योग
- मीमांसा
- वेदान्त

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. षड्दर्शन संग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
2. भारतीय दर्शन – राधाकृष्णन् भाग 1 एवं 2
3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय दर्शन – जगदीश चन्द्र मिश्र
5. भारतीय दर्शन का इतिहास

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 15x1=15
2. द्वितीय प्रश्न में दो लघु उत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होंगे जिनमें कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 10x2=20
3. तृतीय प्रश्न में दो टिप्पणी लिखने होंगे। जिनमें चार टिप्पणी पूछे जायेंगे। 10x2=20
4. चतुर्थ प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर अपेक्षित है दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20=20

SEMESTER-III

Major Course – MJ-05

श्रीमद्भगवद् गीता एवं कठोपनिषद्

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C-04

श्रीमद्भगवद् गीता एवं कठोपनिषद्

इकाई–1 – • श्रीमद्भगवद् गीता : द्वितीयाध्याय (श्लोक 39 से 72)

इकाई–2 – • कठोपनिषद् : प्रथम एवं द्वितीय वल्ली

इकाई–3 – • अनुवाद : संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत

अनुशंसित पुस्तकें –

1. कठोपनिषद् – डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. कठोपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
3. श्रीमद्भगवद् गीता – शांकरभाष्य, हिन्दी अनुवाद सहित गीता प्रेस गोरखपुर
4. श्रीमद्भगवद् गीता – आचार्य शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी

प्रश्न चयन विधि :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
3. इकाई 1, 2 एवं 3 से किन्हीं 2 श्लोकों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
4. इकाई 1 एवं इकाई 2 से एक आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होगा। जिसमें कुल दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20=20

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-06

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C-04

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

इकाई–1 –
- भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ
- आश्रम व्यवस्था की अवधारणा एवं आश्रम चतुष्टय
- पुरूषार्थ की अवधारणा एवं पुरूषार्थ चतुष्टय
- षोडश संस्कारों का सामान्य परिचय

इकाई–2 –
- प्राचीन भारतीय राजनीति
- राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त
- राजा की दिनचर्या, कर्त्तव्य राजा की सुरक्षा
- राज्य का स्वरूप राज्य का सप्रकृति सिद्धान्त राज्य का महत्व एवं कार्य
- षाड्गुण्य नीति

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – भारत रत्न, पी.वी. काणे
2. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – डॉ0 सुखवीर सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. भारतीय संस्कृति एवं कला – वाचस्पति गैरोला, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ
4. हिन्दू संस्कार – राजबलि पाण्डेय
5. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास – डॉ0 जयशंकर मिश्र
6. कौटिल्य के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार – डॉ0 मणिशंकर प्रसाद
7. स्मृति ग्रन्थों में वर्णित समाज – डॉ0 मीना शुक्ला

प्रश्न चयन निर्देश :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
3. इकाई–2 से किन्हीं दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा, कुल तीन प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x20=40

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-07

भारतीय धर्मशास्त्र

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) +75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks: th (SIE+ESE) = 40

C-04

इकाई–1 मनुस्मृति – द्वितीय और सप्तम अध्याय

इकाई–2 याज्ञवल्क्यस्मृति – गृहस्थ धर्म, प्रकरण, दायभाग प्रकरण

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. मनुस्मृति
2. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी.बी. काणे
3. याज्ञवल्क्यस्मृति – डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय
4. याज्ञवल्क्यस्मृति – डॉ0 श्रीनारायण मिश्र
5. याज्ञवल्क्यस्मृति – डॉ0 गंगासागर राय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में पूरे पाठयांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x15=15

2. द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 से एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद एवं एक श्लोक संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगा कुल 2+2=4 श्लोक प्रष्टव्य होगा। 2x10=20

3. तृतीय प्रश्न में इकाई–2 से एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद एवं एक श्लोक का संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगा कुल 2+2 = 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

4. चतुर्थ प्रश्न में एक समालोचनात्मक प्रश्न देय होगा जिसमें कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-08 :

कौटिल्य का अर्थशास्त्र – (प्रथम एवं द्वितीय अधिकरण)

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C - 04

इकाई–प्रथम–1 – विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण

विद्या विषयक विचार, अमात्यों की नियुक्ति, मंत्री और पुरोहित की नियुक्ति गुप्तचरों की आचरणों की परीक्षा एवं उनकी नियुक्ति, मंत्राधिकार, राजभवन का निर्माण एवं राजा के कर्त्तव्य

इकाई–द्वितीय–2 – अध्यक्ष प्रचार (दूसरा अधिकरण)

जनपदों की स्थापना, दुर्ग का निर्माण कोषगृह का निर्माण एवं कोषाध्यक्ष के कर्त्तव्य, समाहर्त्ता का कर संग्रह का कार्य, अध्यक्षों द्वारा गबन किये गये धन की पुनः प्राप्ति, कर वसूली के नियम मुद्रा विभाग और चारागाह विभाग के अध्यक्ष कोष में रखने योग्य रत्नों की परीक्षा।

अनुशंसित पुस्तकें –

1. कौटिल्य का अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. कौटिल्य के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार – डॉ0 मणिशंकर प्रसाद

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15
2. द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से दो लघु उत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होगा जिसमें कुल चार प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x10 = 20
3. तृतीय प्रश्न में इकाई 2 से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा जिसमें कुल चार प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
4. चतुर्थ प्रश्न में समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देय होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

SEMESTER-I

Courses of study for FYUGP in 'Sanskrit' MINOR
Minor Course – 1 A

1. Minor Course – MNIA
   नीति साहित्य

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C = 04

इकाई–1 हितोपदेश (मित्र लाभ)
इकाई–2 पंचतन्त्र (अपरीक्षित कारक)
इकाई–3 नीति साहित्य का उदभव एवं विकास

अनुशंसित पुस्तकें :–
1. हितोपदेश विश्वनाथ शर्मा
2. पंचतंत्र श्यामचरण पाण्डेय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय खंड में इकाई–1 से किन्हीं दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद पूछा जाएगा। कुल 4 श्लोक देय होंगे। 2x10=20

तृतीय खंड में इकाई–2 से किन्हीं 2 श्लोकों का हिन्दी अनुवाद पूछा जाएगा। कुल 4 श्लोक देय होंगे। 2x10=20

चतुर्थ खंड में किन्हीं एक समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20= 20

SEMESTER-III

Minor Course – IB
Minor Course – MNI B

संस्कृत साहित्य का इतिहास

Marks :- 25 (5 Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

इकाई–1 :– वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय :–

- वेदों का सामान्य परिचय, वेदों का काल, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों का सामान्य परिचय।
- वेदांगों का सामान्य परिचय

इकाई–2 आर्ष महाकाव्यों का सामान्य परिचय :–

- रामायण – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता रामायण कालीन समाज और संस्कृति।
- महाभारत – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता महाभारत का विकास क्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य।

इकाई–3 पुराण :–

- पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण पौराणिक सृष्टि विज्ञान
- कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु गरूड़ एवं मत्स्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वायस्पति गैरोला।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं एक प्रश्न का आलोचनात्मक उत्तर प्रष्टव्य होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
3. इकाई–2 से किन्हीं एक प्रश्न का समीक्षात्मक उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
4. इकाई–3 से किन्हीं एक प्रश्न का समीक्षात्मक उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEMESTER-III

AEC-I

आयर्वेद, पर्यावरण एवं योग

Marks : 75(ESE : 3 Hrs) = 75 Pass Marks : th (ESE) = 30 – (Credits : th = 03)

इकाई–1 – आयुर्वेद :–

- आयुर्वेद का अर्थ, परिभाषा एवं मूलभूत सिद्धान्तों का सामान्य परिचय।
- दिनचर्या, ऋतुचर्चा, सद्वृत्त का मानव स्वास्थ्य – संरक्षण में महत्व।
- स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु औषधियों के निर्माण संबंधित ज्ञान एवं आयुर्वेद में शल्य–कर्म संबंधित ज्ञान।

इकाई–2 – योग :–

- योग का सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा, योग के प्रकार, योग की उपयोगिता।
- योग के विभिन्न आसनों का परिचय, महत्व एवं सावधानियाँ।
- प्राणायाम की परिभाषा, अष्टांग योग के अन्तर्गत यम–नियम का स्वरूप, आसन एवं प्राणायाम की अवधारणा।

इकाई–3 – पर्यावरण :–

- पर्यावरण की परिभाषा, पर्यावरण की व्यापकता

पंचमहाभूतों का परिचय, पर्यावरण प्रदूषण, संस्कृत वाङमय में निर्दिष्ट पर्यावरण संरक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उपाय, जैव संरक्षण, जल प्रबंधन, रामायण एवं कालिदास के साहित्य में वनस्पतियाँ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा, वाराणसी
2. आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय – विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त शास्त्री चौखम्बा, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद – अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण 1956
4. पातंजल योगदर्शनम्, सुरेन्द्र चन्द्र श्रीवास्तव चौ0 सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
5. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल आरोग्य सेवा प्रकाशन वाराणसी
6. योग एवं स्वास्थ्य पी0डी0 मिश्र रैपिडेक्स बुक्स पुस्तक महल
7. अष्टांगहृदयम – ब्रह्मानन्द त्रिवेदी
8. संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना – डॉ0 धनंजय वासुदेव द्विवेदी, श्री कृष्ण साहित्य सदन, दिल्ली।
9. आयुर्वेदशास्त्र ज्योतिष शास्त्र और योग शास्त्र का अन्त सम्बन्ध – डॉ0 श्री प्रकाश सिंह, इस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

प्रश्न चयन निर्देश :—

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15

2. इकाई – 1 से किन्हीं एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

3. इकाई–2 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

4. इकाई–3 से किन्हीं एक समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।

1x20=20

संस्कृत भाषा एवं व्याकरण

इकाई– 1 – भाषा का स्वरूप, उदगम और विकास
भाषा की परिभाषा, भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत
भाषा की विशेषता, संस्कृत भाषा का महत्व
भाषा परिवर्तन के कारण।

इकाई– 2– **व्याकरण**
संस्कृत ध्वनियाँ, वैदिक ध्वनियाँ
स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण
परिभाषिक शब्द–लघु सिद्धांत कौमुदी अनुसार
संहिता, गुण, वृद्धि, प्रतिपादिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृध्य, निष्ठा

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

1. उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यांश पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. इकाई 1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।
3. इकाई 2 से दो लघूउत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।

अनुशंसित पुस्तके

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोला नाथ
3. लघु सिद्धांत कॉमुदी – डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा

SEM- V

MAJOR COURSE - MJ - 9

संस्कृत नीतिसाहित्य एवं समास प्रकरण–

Marks: 25(5 Attd + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE:- 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40 C- 04

नीतिसाहित्य एवं समास प्रकरण

ईकाई 1 • नीतिसाहित्य का उद्भव एवं विकास

- नीतिशतकम् (1 से 25 श्लोक)
- हितोपदेश (मित्रलाम)
- पंचतन्त्र (अपरीक्षित कारकम्)
- समास प्रकरण– अव्ययीभाव तत्पुरूष, बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तके–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास– बलदेव उपाध्याय
2) नीतिशतकम् गोस्वामी, प्रहलाद गिरि, भारतीय प्रकाशन वाराणसी।
3) हितोपदेश– विश्वनाथ शर्मा
4) पञ्चतन्त्र– श्याम चरण पाण्डेय
5) लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री

प्रश्न चयन संबंधी दिशा निर्देशं–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थान पूर्ती संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय प्रश्न में ईकाई 1 के पाठयांश से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या और एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी होगी। कुल चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में समास के दो सूत्रों की सदोधरण व्याख्या करनी होगी जिसमें चार सूत्र पूछे जाएंगे। 10x2=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे। कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x20 =20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन– 20+5 = 25 अंक

SEM- V

MAJOR COURSE - M.J - 10

संस्कृत गद्यसाहित्यं एवं अनुवाद

Marks : 25 (5Attd + 20SIE :- 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C- 04

गद्य साहित्य एवं व्याकरण

ईकाई– 1 गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

ईकाई– 2 • कादम्बरी (शुकनासोपदेश)

• दशकुमार चरितम् (अष्टम उच्छवास)

• शिवराज विजयम् (प्रथम निः श्वास)

ईकाई– 3 • शब्दरूप– अस्मद्, युष्मद, किम्, तत्।

• धातुरूप – अद्, दिव, सेव, लम्।

अनुशंसित पुस्तकें–

1) कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– देवेन्द्रभिश्र, रामनारायण वेणी प्रसाद, इलाहाबाद।
2) कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– आचार्य रामनाथ शर्मा, सुमन साहित्य भण्डार, मेरठ।
3) शिवराजविजय– डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा, सुरभारती, वाराणसी
4) दशकुमार चरित – विश्वनाथ झा
5) संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय।
6) अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल
7) रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक) रिक्त स्थानों की पूर्ती से संबंधित) 15 प्रश्न पूछे जाएंगे। 15x1 = 15

द्वितीय प्रश्न में ईकाई 2 से दो अंशो की व्यवस्था एक संस्कृत में तथा एक हिन्दी में करने होंगे। कुल चार अंश पूछे जाएंगे। 10x2 =20

तृतीय प्रश्न में ईकाई 2 से दो विभक्तियों में शब्द रूप और 2 धातु रूप करने अपेक्षित होंगे जिनमें कुल 4 शब्द रूप और 4 धातुरूप पूछे जाएंगे। 5x4=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से 1 आलोचनात्मक प्रश्न करने होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x20 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूलयांकन– 20 + 05 = 25 अंक

SEMESTER V

MAJOR COURSE - MJ- 11

संस्कृत नाट्यसाहित्य एवं व्याकरण

Marks : 25 (5Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks th (SIE + ESE) = 40

C- 04

नाट्य साहित्य, कारक प्रकरण एवं कृत्य प्रक्रिया

ईकाई 1 • नाट्य साहित्य का उदभव एवं वकास

ईकाई 2 • अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)

• उत्तररामचरितम् (तृतीय अंक)

• स्वप्नवासवदत्तम् (षष्ठ अंक)

ईकाई 3 • कारक प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

• कृत्य प्रक्रिया (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तकें–

1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 सुरेन्द्र शास्त्री, रामनारायण लालबेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
2) अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लालबेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
3) संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय
4) लघु सिद्धांत कौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, वराणसी।
5) उत्तररामचरितम्– कपिल देव द्विवेदी।
6) स्वप्नवासवदत्तम्– आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी'।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या बहुवैकल्पिक रिक्त स्थानों की पुर्ति संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेगे। 1x15 =15

द्वितीय प्रश्न में ईकाई 2 के पाठयांश से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या तथा एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद करना है चार श्लोक पूछे जाएंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में ईकाई 3 से दो कारक सूत्र और दो कृत्य प्रक्रिया सूत्रों की व्याख्या करना अपेक्षित होगा कुल दो + दो = 4 सूत्र पूछे जाएंगे।

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे कुल 3 प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड ख

आन्तरिक मूल्यांकन 20 + 05 = 25 अंक

SEMESTER VI

MAJOR COURSE - MJ- 12

संस्कृत भाषा विज्ञान

Marks : 25 (5 + Attd + 20 SIE 1Hr) + 75 (ESE 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (CIE + ESE) = 40

C- 04

भाषा – विज्ञान

इकाई 1 • भाषा की परिभाषा

- भाषा के तीन पक्ष – व्यक्तिगत, सामाजिक एवं सामान्य
- भाषा विकास सोपान– आङ्गिक भाषा, वाचिकभाषा, यांत्रिक भाषा।
- भाषा की विशेषताएं
- भाषा की परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के कारण भाषाओं का वर्गीकरण– आकृमूलक एवं पारिवारिक भाषाविज्ञान का ज्ञान की अन्य भाषाओं से संबंध
- भारत में भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की प्राचीनता

इकाई 2 • भारोपीय भाषाओं के साथ संस्कृत की अन्त संबंध

- संस्कृत ध्वनियों का ध्वन्यात्मक विश्लेषण
- संस्कृत ध्वनियों की विशेषताएं समीकरण, घोषीकरण, अघोषीकरण
- अनुनासिककरण, अल्पप्राणीकरण व्यजनीकरण विसर्ग, द्वित्वीकरण।
- संस्कृत पदरचना
- संस्कृत वाक्य रचना

अनुशंसित पुस्तकें

I. तुलनात्मक भाषाविज्ञान– पी.डी.गुणे, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
II. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन– भोला शंकर व्यास, चौ0 विद्या भवन, वाराणसी।
III. भाषा विज्ञान की भूमिका– देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन
IV. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र– डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, वि0 विद्या0 प्रकाशन वाराणसी
V. सामान्य भाषा विज्ञान– डॉ0 बाबूराम सक्सेना हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद
VI. संस्कृत भाषा विज्ञान– डॉ0 राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक अभिलेख
VII. संस्कृत भाषा विज्ञानम् – श्रीरामधीन चतुर्वेदी चौखाम्बा विद्याभवन– वाराणसी
VIII. लघु सिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा – भाग 1 एवं 2

प्रश्न चयन विधि–

1. उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टब्य होंगे। 1x15= 15
2. इकाई 1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रष्टाय होंगे किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 1x20 = 20
3. इकाई 2 से दो दीर्घ उत्तरीय या आलोचना (एक प्रश्न प्रष्टय होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 1x20 = 20
4. इकाई उसे दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे कुल 4 प्रश्न प्रष्टब्य होंगे। 2x10 = 20

SEM- VI

MAJOR COURSE MJ - 13

भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय

Marks : 25 (5 + Attd + 20 SIE 1Hrs) + 75 (ESE 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C-04

नास्तिक दर्शन (तत्वमीमांसा ज्ञानमीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा)

- चार्वाक दर्शन
- जैन दर्शन
- बौद्ध दर्शन

अनुशंसित पुस्तकें:–

1) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
2) भारतीय दर्शन – एम0 हिरियन्ना
3) भारतीय दर्शन – उमेश मिश्रा
4) भारतीय दर्शन – जगदीश चन्द्र मिश्र

प्रश्च चयन संबंधी निर्देश:–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थानों की पूर्ती संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेगे। 1x5 = 15

द्वितीय प्रश्न में चार्वाक दर्शन से संबंध दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में जैन धर्मन से संबंध दो प्रश्नों के उत्तर लेखन होंगे जिनमें 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 =20

चौथे प्रश्न में बौद्ध दर्शन से संबंधित दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा कुल 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

Sem- VI

Major Course- MJ 14

वैदिक सूक्त, निरूक्त एवं पाणिनीय शिक्षा

Marks: 25 (5Attd + 20 SIE 1Hr) + 75 (ESE + 3Hrs) =100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

वेद एवं वैदिक साहित्य

इकाई 1 वैदिक सूक्त

इन्दु (1.32) सूर्य (1.125) पुरूष (10.90) ज्ञान (10.71) अग्नि (1.14) पर्जन्य (5.83) नासदीय (10.129)

इकाई – 2 निरूक्त

निघण्टु और निरूक्त, निरूक्त के अध्ययन के उद्देश्य निरूक्त की विषय वस्तु, पदों का चतुर्विध विभाजन, किया के छः रूप षडमावविकार निर्वचन के सिद्धांत, निघण्टु और निरूक्त के व्याख्याकार, निरूक्त और व्याकरण, निरूक्त और भाषा विज्ञान, निरूक्त कालीन भारतवर्ष (आश्रम व्यवस्था) समाज, शिक्षा, कला आधार) निरूक्त में निरूपित देवत्व।

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ

आचार्य, वीर, हृद, गो, समुद्र वृत्र, आदित्य, उषस, मेघ, वाफ्, उदक नदी, अश्व, अग्नि, जातिवेदस, वैश्वानर, निघण्टु

इकाई 3

पाणिनीय शिक्षा

अनुसंसित पुस्तके

1) न्यू वैदिक सेलेक्शन, मोतीलाल बनारसीदास
2) वैदिक साहित्य का इतिहास–पारसनाथ द्विवेदी चौरखम्बा सुरभारती वाराणसी
3) ऋग्वेद– गोपाल प्रसाद
4) वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह
5) निरूक्तम्– डॉ0 उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
6) व्युत्पत्ति विज्ञान और आचार्य यास्क – डॉ0 रामाशीष पाण्डेय प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, रांची।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

प्रथम प्रश्न में

उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से पन्द्रह (15) वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।

दूसरे प्रश्न में इकाई 1 से एक मन्त्र को संस्कृत व्याख्या और एक मन्त्र का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा कुल 2+2 = 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 10x2=20

तीसरे प्रश्न में इकाई 2 से दो प्रश्न अपेक्षित होगा। कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे 10x2 =20

चौथे प्रश्न में इकाई 3 से दो प्रश्न करना अपेक्षित होगा। जिसमें चार प्रश्न पूछे जायेंगे।

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VI

MJ - 15

इकाई –I, तर्कसंग्रह, पदार्थ विवेचन, नौद्रव्या, प्रमाणविवेचन।

ईकाई - II, भारतीय दर्शन

भारतीय दर्शन की विशेष षडदर्शनों के प्रमुख सिद्धांतों का विशिष्ट अध्ययन।

अनुशंसित पुस्तकें:–

1) तर्कसंग्रह – व्याख्याकरण का शेपराज शर्मा रेगमी
2) भारतीय दर्शन, डॉ0 बलदेव उपाध्याय।
3) भारतीय दर्शन डॉ0 सी0डी0 शर्मा, प्रश्नचयन निर्देश।

प्रश्नयचन निर्देश:–

1) उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 15x1=15
2) ईकाई- I किन्ही दो अंशो की व्याख्या प्रष्टव्य होगी। 2x10=20
3) ईकाई- I से दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे। 2x10=20
4) ईकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। किन्ही एक का उत्तर अपेक्षित होगा। 1x20= 20

आन्तरिक मूल्यांकन - 20+5 =25 अंक

SEM VII AMJ - 1

MAJOR COURSE AMJ - 1

काव्य शास्त्र एवं छन्दशास्त्र

Marks = 25 (5Attd + 20 SIE 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C- 04

साहित्यशास्त्र

इकाई 1 – काव्य प्रयोजन काव्यहेतु शब्द शक्ति काव्य लक्षण, काव्य भेद, काव्य गुण, रीति (काव्यदीपिका के अनुसार)

इकाई 2–

अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त रूपक, वकोक्ति, समासोक्ति, अर्थान्तर न्यास, विभावना विशेषोक्ति, स्वाभावोक्ति, निदर्शना, (काव्यदीपिका के अनुसार)

इकाई –3

छन्द – आर्या, अनुष्टुपं, इन्द्रवजा, द्रुतविलम्बित, वसन्त तिलका, उपजाति, वंशस्थ, शार्दूलविकीडित स्रन्धरा, मन्दाकान्ता, भुजङ्गप्रयात्।

अनुशंसित पुस्तकें–

1) काव्यदीपिका – परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास,
2) छन्दश्रुतबोध– श्री धरानन्द शास्त्री।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित 15 वस्तुनिष्ठ तथा (रिक्त पदों की पूर्ती संबंधी प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15= 15

द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से एक प्रश्न करने होंगे जिनमें दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20= 20

तृतीय प्रश्न में चार अलंकार की सदोहरण व्याख्या करनी होगी कुल छः अलंकार पूछे जायेंगे। 4x5= 20

चतुर्थ प्रश्न में चार छन्दों की सदोहारण व्याख्या करनी होगी जिनमें 6 छन्द पूछे जायेंगे। 4x5= 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VII AMJ -2

ADVANCE MAJOR COURSE - AMJ 2

महाकाव्य

Marks: 25 (5 Attol + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) =100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C- 04

महाकाब्य

इकाई– 1 • महाकाब्य का उद्भव एवं विकास

इकाई 2 • नैषधीय चरितम् (द्वितीय सर्ग)

• शिशुपालबधम् (प्रथम सर्ग)

अनुशंसित पुस्तकें

1) नैषधीयचरितम् – मोहनदेव पंत मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
2) नैषधीय चरितम् – सुरेन्द्रदेव शास्त्री गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला वाराणसी
3) सौन्दरानन्द काव्य – सूर्यनारायण चौधरी
4) शिशुपालबधम – (प्रथम सर्ग) आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
5) संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त पाठयांश से कुल 15 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। 1x15 = 15 द्वितीय प्रश्न में इकाई 2 से नैषधीयचरितम् से कुल श्लोक प्रष्ट्ब्य होंगे जिसमें किसी एक की संस्कृत व्याख्या तथा किसी एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या अपेक्षित होगी।

2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई – 2 शिषुपाल बध किन्ही दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। श्लोक प्रष्ट्ब्य होंगे।

चतुर्थ प्रश्न में इकाई –1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होंगे जिनमें एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। 20x1 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VII

MAJOR COURSE - AMJ -3

वेदान्तसार एवं तर्कभाषा

Marks : 25 (5 Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C- 04

इकाई – 1 वेदान्तसार अनुबन्ध चतुष्टय, साधन चतुष्टय, अध्यारोप और अज्ञान का निरूपण, सृष्टि निरूपण, लिंग शरीर पंचीकरण, स्थूल प्रपड्च, वेदान्त दृष्टि में आत्मस्वरूप, अपवाद निरूपण अध्यारोप और अपवाद के द्वारा तत्वमसि महावाक्य का विश्लेषण, अहं ब्रह्मास्मि इस महावाक्य के अर्थ का विश्लेषण समाधि जीवन्मुक्त का लक्षण।

इकाई – 2– तर्कभाषा कारणलक्षण, कारण निरूपण, कारण के भेद प्रमाण पदार्थ, प्रभालक्षण प्रत्यक्ष प्रमाण (सविकल्पक) ज्ञान और निर्विकल्पक ज्ञान, षडसन्निकर्ष) अनुमान प्रमाण (निरूपण, अनुमान प्रमाण के भेद, हेतु की पड्चरूपोपपन्नता, हेत्वामास) उपमान प्रमाण शब्द प्रमाण।

अनुशंसित पुस्तके–

1) केशवमिश्र कृत तर्कभाषा आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त भिरोमणि चौखम्बा संस्कृत आफिस वाराणसी
2) केशवमित्र कृत तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्ल मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली
3) सदानन्द कृत वेदान्तसार– आचार्य बदरीनाथ शुक्ल– मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली।
4) सदानन्द कृत वेदान्तसार – आचार्य राममूर्ती शर्मा – ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यांश से 15 (पन्द्रह) वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से किन्ही दो अंगो की व्याख्या अपेक्षित होगी कुल चार अंश प्रष्टव्य होंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई 2 से दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देय होगा। कुल चार प्रश्न प्रत्व्य होंगे। 2x10 = 20

चतुर्थ प्रश्न का उत्तर देय होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VII

MAJOR COURSE - AMJ- 4

वैदिक साहित्य का इतिहास एवं वैदिक सूक्त

Marks: 25 (5 Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C- 04

वैदिक साहित्य–

इकाई– 1 •वेदो का सामान्य परिचय, वेदों का काल

- ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद का सामान्य परिचय
- वेदांगो का परिचय।

इकाई 2 • वैदिक सूक्त– ऋग्वेद– अग्नि (1.1) इन्दु (2.12) उषस् (3.61) हिरण्यगर्भ (10.121) सवितृ (1.35) वाक् (10.125)

- शुक्ल यजुर्वेद– शिवसंकल्प (34.1–6)

अनुशंसित पुस्तके

1) न्यू वैदिक सेलेक्शन– मोतीलाल बनारसीदास
2) वैदिक साहित्य का इतिहास–पारसनाथ द्विवेदी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
3) ऋग्वेद– गोपाल प्रसाद
4) निबंध शतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन
5) अनुवाद चन्द्रिका– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6) निबन्ध कुसमांजलि – जयन्त मिश्र
7) वैदिक सूक्त संग्रह – अयोध्या प्रसाद सिंह

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

सभी प्रश्नों के उत्तर दे–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थान पूर्ती संबंधी 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15= 15

द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से टिप्पणी अपेक्षित होगी कुल 4 टिप्पणी दिये जायेंगे।

2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई 2 से एक मन्त्र की संस्कृत व्याख्या और एक मन्त्र का हिन्दी अनुवाद करना अपेक्षित होगा। कुल 2 +2 = 4 मन्त्र पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

चतुर्थ प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनसे एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 1x20 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEMESTER VIII AMJ 05

MAJOR COURSES AMJ- 05

महाभाष्य एवं वैदिकी प्रक्रिया

Marks : 25(5Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIIE + ESE) = 40

C- 04

इकाई– 1 • महाभाष्य (पश्पशान्हिक) व्याकरण के प्रयोजन तक

इकाई 2 • वैदिक प्रक्रिया (प्रथम अध्याय)

• वैदिक प्रक्रिया (द्वितीय अध्याय)

अनुशंसित पुस्तकें

1) व्याकरण महाभाष्य – डॉ0 चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, मधुसुदन मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन
2) वैदिकी प्रक्रिया– उमाशंकर शर्मा, ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वराणसी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।

1x15=15

द्वितीय प्रश्न में महाभाष्य से दो अंशो की व्याख्यायें अपेक्षित होगी कुल चार अंश प्रष्टव्य होंगे।

2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई दो से किन्ही चार सूत्रों की व्याख्यायें अपेक्षित होंगी कुल छः सूत्र प्रष्टव्य होंगे। 4x5= 20

चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों पाठ्य पुस्तकों से कुल दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पृष्टव्य होंगे जिनमें एक का उत्तर अपेक्षित होगी। 1x20 = 20

SEM - V

MINOR COURSE - MN- IC

पद्य साहित्य

Marks : 25 (5Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C = 04

इकाई सं0 1 • पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- पूर्व मेघदूतम (1 से 25 श्लोक)
- किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग)(1 से 25 श्लोक)
- शिशुपाल बद्य (प्रथम सर्ग) (1 से 25 श्लोक)

अनुशंसित पुस्तकेः

1) पूर्वमेघदूतम् – शेषराज रेग्मी चौखम्बा विद्याभवन
2) संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय।
3) किरातार्जुनीयम– अखिलेश पाठक
4) शिशुपालबधम्– आचार्य कृष्ण कुमार अवस्थी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम पश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x5=5

द्वितीय प्रश्न में इकाई दो से दो श्लोकों का संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगा जिसमें चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

तृतीय प्रश्न में दो श्लोकों का अनुवाद अपेक्षित होगा। जिसमें कुल चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

चतुर्थ प्रश्न में दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होगा जिसमें चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 7.5x2=15

पंचम प्रश्न में एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। जिसमें दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15= 15

SEM VII

MINOR COURSE - 1D

नाट्य साहित्य

Marks: 25(5Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C: th - 04

इकाई संख्या– 1 • नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- अभिज्ञानशकुन्तलम (चतुर्थ अंक)
- उत्तररामचरितम् (तुतीय अंक)

अनुशंसित पुस्तकें–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
4) उत्तररामचरितम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। 1x15 = 15

द्वितीय प्ररून में इकाई दो से अभिज्ञानशाकुन्तल से दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10= 20

तृतीय प्रश्न में उत्तररामचरितम् से कुल चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे जिसमें एक की संस्कृत व्याख्या तथा एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। 2x10= 20

चतुर्थ प्रश्न में इकाई 1 से दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होगा जिसमें एक का उत्तर देय होगा। 1x20 = 20

SEM - 1

MDC (MULTIDISCIPLINARY COURSE_ - OC - 03

Full Marks - 75 **Pass Marks -30**

No Internal Examination

इकाई 1 अभिज्ञानशाकुन्तलम् 1 से चतुर्थ अंक तक।

अनुशंसित पुस्तकें–

1) अभिज्ञानशकुन्तलम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2) अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 सुरेन्द्र शास्त्री राम नारायण बालबेनी प्रसाद इलाहाबाद

प्रश्न चयन विधि–

1) उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 15x1 = 15
2) प्रश्न संख्या 2 से किन्ही दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x20 = 20
3) किन्ही श्लोक का संस्कृत में अनुवाद करने होंगे जिसमें दो श्लोक पूछे जायेंगे। 1x10 = 10
4) दो आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे कुल 21 प्रश्न पूछे जायेंगे। 15x2 = 30

NEP - Sanskrit
Sem - II MN - 2A

C- 4 **Total - 100 Marks**

ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र

ईकाई– 1– ज्योतिष शास्त्र

- पंचांग (पंचांग परिचय)– तिथि वार, नक्षत्र योग, करण तिथियों के भेद
- मुहुर्त्तविचार – विवाह मुहूर्त्त, गृह प्रवेश, व्यापार मुहूर्त्त, दिशाशूल, चन्द्रवास विचार, ग्रह एवं राशि, ग्रह गुण, ग्रह प्रभाव।

ईकाई– 2 – वास्तुशास्त्र

- वास्तुशास्त्र परिचय– भूमि परीक्षण, वास्तु पुरूष विचार शुभाशुभ द्वार स्थान, देवालय, शौचालय, पाकशाला आदि का स्थान

अनुशंसित पुस्तकें–

1. ज्योतिशास्त्र प्रशिक्षक– डॉ0 गिरिजा शंकर शास्त्री– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
2. शीघ्रबोध– रामचन्द्र शर्मा, कृष्णदास एकादमी।
3. भारतीय ज्योतिष– नेमीचन्द्र शास्त्री– भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
4. प्राच्यभारतीयम ऋतुविज्ञानम्– डॉ0 धुनीराम त्रिपाठी–संपूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालय, वाराणसी।
5. भारतीय ज्योतिष का इतिहास– डॉ0 गोरख प्रसाद – उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
6. मुहूर्त्तचिन्तामणि– चण्डिका प्रसाद अवस्थी, तेजकुमार बुक डिपो (प्रा0) लिमिटेड।
7. विश्वकर्मा प्रकाश– गणेशदत्त पाठक

23/04/24.

NEP- Sanskrit

Sem- IV MN 2B

C- 4 **Total - 100 Marks**

कर्मकाण्ड

इकाई

- नित्यकर्म–
- संध्या प्रकरण–
- पंचमहायज्ञ–
- यज्ञ विज्ञान–
- विशिष्ट पूजा प्रकरण–
- भूमि पूजन प्रकरण–
- भूमि पूजन प्रकरण–
- गृह प्रवेश–वास्तुशान्ति प्रकरण–
- प्राण प्रतिष्ठा प्रकरण–
- संस्कार प्रकरण–
- पर्व प्रकरण– नवरात्रि, रामनवमी, गुरूपूर्णिमा, वसन्त पंचमी, महाशिवरात्रि

अनुशंसित पुस्तकें–

- नित्य कर्म पूजाप्रकाश– पं0 लाल बिहारी मिश्र– गीताप्रेस, गोरखपुर
- कर्मकाण्ड भास्कर– पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य
- यज्ञ विज्ञान– पं0 श्रीराम शर्मा (कासगज एटा–अमर स्वामी प्रकाशन विभाग गाजियाबाद)

NEP - Sanskrit
Sem - VI MN - 2C

C- 4 **Total - 100 Marks**

योग

- योग का सामान्य अर्थ, परिभाषा योग के प्रकार योग की उपयोगिता–
- योग के विभिन्न आसन्नों का परिचय, महत्व एवं सावधानियाँ।
- प्राणायाम की परिभाषा, अष्टांग योग के अन्तर्गत यम नियम का स्वरूप, आसन एवं प्राणायाम की अवधारणा।

अनुशंसित पुस्तकें–

- पांतजलयोगदर्शनम् – सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
- योग एवं स्वास्थ्य– पी0डी0 मिश्र, रैपिडैक्स बुक्स पुस्तक महल
- अष्टांगहृद्यम्– ब्रह्मनन्द त्रिवेदी।

NEP - Sanskrit
Sem - VIII MN - 2 D

C- 4 **Total - 100 Marks**

आयुर्वेद–

- आयुर्वेद का परिचय, स्वरूप, वेदत्व प्रयोजन, वैज्ञानिकत्व, वैशिष्ठय
- भारतीय भेषज विद्या की प्राचीनता
- आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा
- आयुर्वेद के आठ अंग
- आयुर्वेद में त्रिदोष
- आर्यवेद में सप्तधातुएँ
- वृक्षायुर्वेद
- कतिपय, वनस्पतियों का चिकित्सीय महत्व– आमलिक, अपामार्ग, विल्ब ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, तुलसी
- दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं सदवृत्त का मानव– स्वास्थ्य संरक्षण में महत्व।

अनुशंसित पुस्तकें

- संस्कृत वाङगय का वृहद् इतिहास– (संप्तम–खण्ड –आयुर्वेद का इतिहास) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ
- आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय – डॉ0 विधाधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास – आचार्य प्रियव्रत शर्मा चौखम्बा वाराणसी

Sem III **MDC** **समसत्र III**

Mark- 75 **C-03**

संस्कृत भाषा एवं व्याकरण

इकाई– 1 – भाषा का स्वरूप, उदगम और विकास

भाषा की परिभाषा, भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत

भाषा की विशेषता, संस्कृत भाषा का महत्व

भाषा परिवर्तन के कारण।

इकाई– 2– व्याकरण

संस्कृत ध्वनियाँ, वैदिक ध्वनियाँ

स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण

परिभाषिक शब्द–लघु सिद्धांत कौमुदी अनुसार

संहिता, गुण, वृद्धि, प्रतिपादिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृध्य, निष्ठा

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

1. उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यांश पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. इकाई 1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।
3. इकाई 2 से दो लघूउत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।

अनुशंसित पुस्तके

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोला नाथ
3. लघु सिद्धांत कॉमुदी – डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा